गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 144
दि. 23.09.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने जीएसटी बचत उत्सव मनाने के लिए सभी नागरिकों को पत्र लिखा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस त्यौहारी सीजन में 'जीएसटी बचत उत्सव' मनाने के लिए सभी नागरिकों को एक पत्र लिखा है। श्री मोदी ने कहा, "जीएसटी की निम्न दरें प्रत्येक परिवार के लिए अधिक बचत और व्यवसायों के लिए अधिक सुगमता का प्रतीक हैं।" प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया: "इस त्यौहारी सीजन में, आइए 'जीएसटी बचत उत्सव' मनाएं! निम्न जीएसटी दरों का अर्थ है हर घर के लिए अधिक बचत और व्यवसायों के लिए अधिक सुगमता।" "आइए, 'जीएसटी बचत उत्सव' के साथ इस सीजन में त्योहारों के लिए नई उमंग और नए जोश से भर दें!

पीएम ने ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

पूर्वोत्तर भारत की अष्टलक्ष्मी है: प्रधानमंत्री

अरुणाचल प्रदेश शांति और संस्कृति का संगम है, यह भारत का गौरव है: प्रधानमंत्री

पूर्वोत्तर क्षेत्र राष्ट्र के विकास की प्रेरक शक्ति बन रहा है: प्रधानमंत्री

वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम की सफलता ने लोगों का जीवन सुगम बना दिया है: प्रधानमंत्री

जीएसटी अब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत तक सरल हो गया है, जिससे अधिकांश वस्तुओं पर कर कम हो गया है: प्रधानमंत्री

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उन्होंने सर्वशक्तिमान डोनयी पोलो के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और सभी पर कृपा की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हेलीपैड से मैदान तक की यात्रा, मार्ग में अनगिनत लोगों से मिलना और बच्चों व युवाओं को राष्ट्रीय ध्वज थामे देखना, इन सभी ने तथा अरुणाचल प्रदेश के गर्मजोशी भरे आतिथ्य ने मुझे गौरवान्वित कर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अरुणाचल न केवल उगते सूरज की धरती है, बल्कि देशभक्ति की भी भूमि है। जिस तरह राष्ट्रीय ध्वज का पहला रंग केसरिया होता है, उसी तरह अरुणाचल की आत्मा भी केसरिया रंग से आरंभ होती है। श्री मोदी ने कहा कि अरुणाचल का हर व्यक्ति वीरता और सादगी का प्रतीक है। उन्होंने राज्य के प्रति अपना गहरा लगाव प्रदर्शित करते हुए कहा कि हर यात्रा उन्हें अपार प्रसन्नता देती है और लोगों के साथ बिताया हर पल यादगार होता है। उन्होंने अपने प्रति दिखाए गए प्यार और स्नेह को एक बड़ा सम्मान बताया। प्रधानमंत्री ने इस पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा, "तवांग मठ से लेकर नामसाई के गोल्डन पैगोडा तक, अरुणाचल प्रदेश शांति और संस्कृति के संगम का प्रतिनिधित्व करता है।" उन्होंने इस पवित्र भूमि को भारत माता का गौरव बताया।

पशु तस्करों के हमले में मृत दीपक गुप्ता के परिजनों से सीएम मिले, मां-पिता को देखते ही जानें क्या बोले मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (एजेंसी)।

गोरखपुर में पशु तस्करों के हमले में मारे गए दीपक गुप्ता के परिजनों से सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात की. उन्होंने पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी और आश्वासन दिया कि सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होगी. 19 वर्षीय दीपक की हत्या से ग्रामीणों में आक्रोश है. परिजनों ने न्याय की गुहार लगाई, जबकि पुलिस चार आरोपियों को जेल भेज चुकी है.

पशु तस्करों के साथ झड़प में मारे गए गोरखपुर के नीट छात्र दीपक गुप्ता के परिजनों से सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात की. गोरखनाथ मंदिर स्थित बैठक कक्ष में सीएम ने परिजनों को ढांढस बंधाया और आर्थिक मदद के रूप में पांच लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की. उन्होंने भरोसा दिलाया कि घटना में शामिल एक भी अपराधी बख्शा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी.

सीएम ने जताई संवेदना

मुख्यमंत्री ने दीपक के पिता दुर्गेश गुप्ता, मां और अन्य परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की. उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार परिवार के साथ खड़ी है. इस दौरान सांसद रविकिशन शुक्ल और विधायक महेंद्रपाल सिंह भी मौजूद रहे.

15/16 सितंबर की रात पिपराइच थाना क्षेत्र के महुआचाफी गांव में पशु तस्करों की तीन गाड़ियां पहुंचीं और मवेशियों को खोलने लगीं. शोर सुनकर ग्रामीण बाहर आ गए. इसी बीच नीट की तैयारी कर रहा 19 वर्षीय दीपक भी मौके पर पहुंच गया. ग्रामीणों और तस्करों के बीच पथराव हुआ, जिसमें दीपक तस्करों के कब्जे में आ गया. कुछ ही देर बाद उसका शव सरैया गांव से बरामद हुआ.

पुलिस की कार्रवाई

घटना के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि एक आरोपी मुठभेड़ में घायल हुआ.

भारत, ब्राजील ने 'मैत्री 2.0' क्रॉस-इन्क्यूबेशन कार्यक्रम के जरिए कृषि-नवाचार में साझेदारी को मजबूत किया

'मैत्री 2.0' दोनों देशों के बीच सह-निर्माण हेतु द्विपक्षीय शिक्षण मंच है: आईसीएआर महानिदेशक डॉ. एमएल जाट

(एजेंसी)।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने आज नई दिल्ली में ब्राजील-भारत कृषिटेक क्रॉस-इन्क्यूबेशन कार्यक्रम (मैत्री 2.0) के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सचिव (डीएआरई) एवं महानिदेशक (आईसीएआर) डॉ. एमएल जाट तथा भारत में ब्राजील के राजदूत श्री केनेथ नोब्रेगा, साथ ही वरिष्ठ अधिकारी और ब्राजील के अग्रणीय शोध एवं नवाचार संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डॉ. जाट ने भारत और ब्राजील के बीच 77 वर्ष पुरानी साझेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने ब्रिक्स और जी20 जैसे वैश्विक मंचों पर दोनों देशों की साझा भूमिका और कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला में सहयोग हेतु हाल ही में हुए आईसीएआर-ईएमबीआरएपीए समझौता ज्ञापन को एक बड़ी उपलब्धि बताया। ऐतिहासिक कृषि संबंधों को याद करते हुए डॉ. जाट ने परस्पर पूरकता की शक्ति और नवाचार-संचालित विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि आईसीएआर ने 1996 में 74 पेटेंट से बढ़कर प्रतिवर्ष 1,800 से अधिक पेटेंट हासिल किये हैं, जिन्हें इनक्यूबेशन केंद्रों और 5,000 से अधिक लाइसेंसिंग समझौतों का सहयोग मिला है। श्री जाट ने यह भी कहा कि व्यावसायीकरण केवल राजस्व तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सार्वजनिक-वित्त पोषित नवाचारों को अंतिम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाना है। महानिदेशक महोदय ने 'मैत्री 2.0' को भारतीय और ब्राजीलियाई नवाचारकों के बीच सह-निर्माण हेतु द्विपक्षीय शिक्षण मंच बताया और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक मजबूत, नवाचारी एवं समावेशी कृषि-खाद्य इको-सिस्टम के निर्माण की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत में ब्राजील के राजदूत श्री केनेथ नोब्रेगा ने अपने संबोधन में आईसीएआर की पहल की सराहना की और भारत तथा ब्राजील के कृषिटेक इको-सिस्टम्स के बीच तालमेल स्थापित करने के रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि मैत्री 2.0 कार्यक्रम व्यापक ब्राजील-भारत रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है, जो कृषि, उभरती प्रौद्योगिकियों और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में सहयोग हेतु दोनों देशों के नेताओं के साझा विजन के अनुरूप है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने राजकोट जिला सहकारी बैंक लिमिटेड सहित 7 जिला स्तरीय सहकारी समितियों की वार्षिक बैठक को संबोधित किया

(एजेंसी)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के राजकोट में राजकोट जिला सहकारी बैंक लिमिटेड सहित 7 जिला स्तरीय सहकारी समितियों की वार्षिक बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश के स्वतंत्र होने के बाद से ही सहकारी क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की मांग थी कि केन्द्र सरकार में सहकारिता मंत्रालय का गठन किया जाए। पहले देश के विशाल सहकारी तंत्र को कृषि मंत्रालय के एक संयुक्त सचिव द्वारा चलाया जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2021 में अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी के एक निर्णय से कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक पूरे देश में करोड़ों किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को ऐसा अवसर मिला है कि उनकी मेहनत से प्राप्त मुनाफा सीधा उनके बैंक खाते में जा रहा है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि राजकोट का सहकारी क्षेत्र न केवल गुजरात, बल्कि पूरे देश के लिए एक उदाहरण है। सहकारी क्षेत्र को

और मजबूत किया जाना चाहिए और प्रत्येक गाँव में दूध मंडली, सेवा सहकारी मंडली और गोदाम युक्त सहकारी समितियों की स्थापना की जानी चाहिए। आज सरदार वल्लभभाई पटेल और विट्ठलभाई रादडिया की प्रतिमाओं का अनावरण हुआ। उन्होंने कहा कि वल्लभभाई पटेल ने न केवल राजकोट बल्कि पूरे देश के किसानों के लिए हमेशा लड़ाई लड़ी, राजकोट जिला कोऑपरेटिव बैंक की स्थापना की, उसे मजबूती प्रदान की तथा विस्तार किया। वहीं, विट्ठलभाई ने लंबे समय तक इस बैंक की सेवा की। इसे नाबार्ड के अनेक अवार्ड जीतने वाली बैंक में परिवर्तित किया। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में बैंक की दुर्घटना बीमा योजना के तहत 22 लोगों को और बैंक के कृषि समाज पुरस्कार के तहत 9 सहकारी समितियों को मोटरसाइकिल और मुआवजा प्रदान किया गया।

श्री अमित शाह ने कहा कि किसी सहकारी संस्था का परिचय यही होता है कि उसका मुनाफा किसान के हितों के लिए उपयोग हो। राजकोट जिला सहकारी बैंक को पांच बार नाबार्ड का बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड और चार बार ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड प्राप्त हुआ है। यह जिले के किसानों की मेहनत और राजकोट जिला सहकारी बैंक के सभी डायरेक्टर्स व अध्यक्ष के नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि 53 वर्षों तक निरंतर ऑडिट में 1 प्रतिशत से भी कम नेट एनपीए, सैकड़ों करोड़ रुपए का मुनाफा, और शून्य प्रतिशत से भी कम ब्याज दर पर ऋण देने के बाद भी यह जिला सहकारी बैंक अपनी मजबूत व्यवस्था को कायम रखने में सफल हुआ है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात के आणंद में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है। यह सहकारी क्षेत्र की सभी विधाओं को समर्पित एक राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में 60 से अधिक पहलों के माध्यम से, जिसमें पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण समितियों) के कंप्यूटरीकरण, गोदाम, जल संरक्षण, डेयरी सहकारी समितियों जैसे अनेक कार्य शामिल हैं, सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने का कार्य किया गया है। श्री शाह ने कहा कि इन पहलों का परिणाम यह हुआ कि चार दशकों से लगातार कमजोर हो रहा सहकारी तंत्र पहले वर्ष में स्थिर हुआ और अगले दो वर्षों में 12% की वृद्धि के साथ मजबूत हुआ।

रक्षा मंत्री ने मोरक्को में भारतीय समुदाय से मुलाकात की और ऑपरेशन सिंदूर में भारत के संयम और संकल्प पर प्रकाश डाला

(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 21 सितंबर, 2025 को रबात, मोरक्को में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की। भारतीय समुदाय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों की निर्णायक कार्रवाई की सराहना की। रक्षा मंत्री ने दोहराया कि पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हुए कायरतापूर्ण हमले का जवाब देने के लिए सशस्त्र बलों को पूरी आजादी दी गई थी। देश के दृढ़ लेकिन संयमित दृष्टिकोण का वर्णन करने के लिए रामचरितमानस का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की कार्रवाई सोची-समझी और आक्रामक नहीं थी, "हमने धर्म देख कर नहीं, कर्म देख कर मारा है।"

भारतीयों के साथ बातचीत के दौरान श्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत की बहुआयामी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैश्विक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, भारत दुनिया की 11वीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और जल्द ही शीर्ष तीन में शामिल होने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री ने भारत के डिजिटल परिवर्तन, ज्ञान अर्थव्यवस्था में तेज प्रगति और एक दशक पहले 18 यूनिकॉर्न से 118 तक स्टार्टअप्स की संख्या में हुई वृद्धि का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा उद्योग ने 1.5 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन और 100 से अधिक देशों को 23,000 करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा निर्यात की उपलब्धि हासिल की है।

श्री राजनाथ सिंह ने भारतीय समुदाय की कड़ी मेहनत, समर्पण और ईमानदारी की प्रशंसा की, उन्होंने विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के शब्दों को याद करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में, चरित्र ही व्यक्ति की असली पहचान है।

सुश्री वंदना गुप्ता ने महानियंत्रक संचार लेखा का पदभार संभाला

सुश्री वंदना गुप्ता ने आज शीर्ष ग्रेड में पदोन्नति के बाद नई दिल्ली में महानियंत्रक संचार लेखा का पदभार संभाल लिया।

भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा (आईपीएंडटीएएफएस) की 1990 बैच की अधिकारी ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और गुजरात सर्किलों के साथ-साथ दूरसंचार विभाग मुख्यालय और डाक विभाग में प्रमुख पदों पर कार्य किया है।

आयुष मंत्रालय ने 10वें आयुर्वेद दिवस समारोह से पहले गोवा में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की

"आयुर्वेद जन-जन के लिए, आयुर्वेद पृथ्वी के लिए" का मंत्र वैश्विक स्वास्थ्य और स्थिरता के लिए एक आह्वान है: एआईआईए के निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति

एआईआईए गोवा में नई स्वास्थ्य सुविधाएं आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा के बीच सेतु को मजबूत करेंगी

एआईआईए गोवा की डीन प्रो. (डॉ.) सुजाता कदम ने स्वास्थ्य, संतुलन और वैश्विक मान्यता की एक दशक लंबी यात्रा पर प्रकाश डाला

एआईआईए गोवा में 10वें आयुर्वेद दिवस के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की जाएगी

(एजेंसी)।

आयुष मंत्रालय ने 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आज पणजी, गोवा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान आयुर्वेद के महत्व व समग्र स्वास्थ्य में इसके योगदान पर प्रकाश डाला गया। साथ ही 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित की जाने वाली विशेष कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी गई।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), गोवा के निदेशक प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद दिवस का विषय "आयुर्वेद जन-जन के लिए, आयुर्वेद पृथ वी के लिए" व्यक्तिगत स्वास्थ्य, वैश्विक कल्याण, पारिस्थितिक संतुलन और सतत विकास पर बल देता है। उन्होंने कहा कि 10वां आयुर्वेद दिवस आयुर्वेद को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने और वैश्विक स्वास्थ्य में इसकी भूमिका को व्यक्त करने का एक अवसर है।

उन्होंने एआईआईए, गोवा में नई स्वास्थ्य सुविधाओं के उद्घाटन का भी उल्लेख किया जिनमें एक एकीकृत ऑन्कोलॉजी इकाई, सेंट्रल स्टेराइल सप्लाई डिपार्टमेंट, लिनन प्रसंस्करण इकाई और ब्लड बैंक शामिल हैं।

सम्पादकीय

किर्क की हत्या : अमेरिका में बढ़ता कट्टरवाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क को गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात यूटा के ओरम स्थित यूटा वैली यूनिवर्सिटी में छात्रों की मीटिंग के ठीक दौरान हुई। इस हत्या ने एक बार फिर अमेरिका को हिलाकर रख दिया है। यूटा वैली यूनिवर्सिटी में उस समय करीब तीन हजार छात्र थे। जब हमलावर ने चार्ली पर निशाना साधा। अधिकारियों ने जांच में पाया कि स्नाईपर ने दूर एक इमारत की छत पर छिपकर जो करीब 180 मीटर दूर थी से सीधी एक गोली चलाईं जो चार्ली की गर्दन में लगी और वहीं वह ढेर हो गए। कौन थे चार्ली किर्क? चार्ली एक अमेरिकी वंजरवेटिव और मीडिया पर्सनैलिटी थे। उन्होंने टर्निंग प्वांट यूएसए नाम का यंग वंजरवेटिव संगठन 18 साल की उम्र में ही स्थापित किया था। वह उसके को-फाउंडर थे। वह युवाओं को राजनीतिक रूप से सक्रिय बनाने, बहसों में हिस्सा लेने और रूढ़िवादी विचारों को प्रोरित करने के लिए जाने जाते थे। राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क के हत्यारे और हत्या की वजह के बारे में अब तक वुछ ठोस पता नहीं चला है लेकिन यह तय है कि उनकी लोकप्रियता काफी तेजी से बढ़ रही थी। ऐसे में एक सवाल यह भी हैंकि उन्हें कहीं उनकी बढ़ती लोकप्रियता तो हत्या की वजह नहीं बनी? छत से गोली वैसे ही चलाईं गईं, जैसे जुलाईं 2024 में चुनाव प्रचार के दौरान पेनसिलवेनिया में डोनाल्ड ट्रंप पर चली थी। तब गोली ट्रंप का कान छूकर निकल गईं थी। ट्रंप ने 31 वषाय किर्क को महान और दिग्गज बताया। वीडियो संदेश में उन्हें सत्य और स्वतंत्रता का शहीद बताया। हत्या के लिए उन्होंने कट्टर वामपंथियों की बयानबाजी को दोषी ठहराया। चार्ली किर्क के आखिरी भाषण का 30 सेवेंड का वीडियो सामने आया है। सपेद टेंट में बैनर्स पर द अमेरिकन कमबैक और प्रूव मी रॉन्ग भी रांडा स्लोगन लिखे थे। माइक लेकर बैठे किर्क सवालों का जवाब दे रहे हैं। श्रोता : 10 सालों में कितने ट्रांसजेंडर अमेरिकियों ने मास शूटिग की है? किर्क : बात ज्यादा। श्रोता : क्या आपको पता है कि 10 सालों में वुल कितने मास शूटर रहे हैं। किर्क : गैंग वायलेंस की गिनना है या नहीं? तभी गोली चलती है। गर्नर्ड किर्क के पास बैठी मैडिसन लैटिन ने कहा : मैंने गोली की आवाज सुनी। उनके शरीर से खून निकला और वे गिर गए। फिर चीख-पुकार के बीच अफरातफरी मच गईं। यह दुखद है कि अमेरिका में राजनीतिक हिसा लगातार बढ़ रही है। दक्षिण पंथी व वामपंथी दोनों विचारधाराएं इससे प्रभावित हुईं हैं। अमेरिकी इतिहास राजनीतिक हिंसा से भरा है। 60 के दशक में जान एफ वैनेडी, मार्टिन लूथर किग जूनियर की हत्या हुईं। हाल के वर्षों में यह भय बार-बार सामने आया। 2021 में ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल हिल पर हमला किया। 2021 में सांसदों को 9600 से ज्यादा धमकियां मिली। अगले साल नैंसी पेलोसी के पति पर हमला हुआ। उसी साल न्यूयार्व के गर्वनर पद के उम्मीदवार ली नेल्डिन को सभा में चावू से मारने की कोशिश हुईं। 2024 में प्रचार के दौरान खुद ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमले हुए, जिनमें वे बाल-बाल बच गए थे। अमेरिका के इस यह गन कल्चर को नियंत्रित करने की कईं राष्ट्रपति प्रयास कर चुके हैं पर अमेरिका की यह गन लॉबी इतनी शक्तिशाली है कि वह किसी भी प्रकार के कंट्रोल को पारित ही नहीं होने देती। चार्ली किर्क की हत्या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सीधी चुनौती है। विश्लेषकों का मानना है कि यह हमला ट्रंप, अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ा झटका और चुनौती है।

उपराष्ट्रपति ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' शीर्षक प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों वाले खंडों का लोकार्पण किया

ये पुस्तकें प्रधानमंत्री के योगदानों, उनके दृष्टिकोण और राष्ट्र से संबंधित उनके सपनों को दशार्ती हैं: उपराष्ट्रपति

प्रधानमंत्री मोदी लाखों लोगों के लिए एक जीवंत प्रेरणास्रोत हैं; उनका दृढ़ संकल्प यह दिखाता है कि असंभव को कैसे संभव बनाया जा सकता है: उपराष्ट्रपति

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' श्रृंखला प्रधानमंत्री के राष्ट्र-निर्माण के मंत्र को दशार्ती है: उपराष्ट्रपति

पांच नाजुक अर्थव्यवस्था से बदलकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक: प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों में उनके नेतृत्व की झलक दिखी: उपराष्ट्रपति

ये भाषण 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', काशी तमिल संगमम, जनजातीय गौरव दिवस और कर्तव्य पथ के जरिए सांस्कृतिक पहचान के पुनरुद्धार को दशार्ते हैं: उपराष्ट्रपति

प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य 2047 तक विकसित भारत की दिशा में देश की यात्रा को प्रतिध्वनित करते हैं: उपराष्ट्रपति

ये पुस्तकें अमृत काल के दौरान कर्तव्यों के प्रति वचनबद्धता को प्रेरित करेंगी और 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करेंगी: उपराष्ट्रपति

(एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चुनिंदा भाषणों वाले दो खंडों का विमोचन किया, जिसका शीर्षक है 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'। इनमें प्रधानमंत्री के दूसरे कार्यकाल के चौथे और पांचवें वर्ष को शामिल किया गया है।

नई दिल्ली में सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने नवरात्रि के पावन अवसर पर नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक समारोह है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये दोनों खंड प्रधानमंत्री के योगदानों, उनके दृष्टिकोण और राष्ट्र से संबंधित उनके सपनों को समझने की कुंजी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को ह्लदेश और विदेश के लाखों लोगों के लिए एक ऐसा जीवंत प्रेरणास्रोतह्व बताया, जो अपने आचरण से लोगों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं, जो आम आदमी के प्रतिनिधि से एक सच्चे जननेता के रूप में विकसित हुए हैं, जिनके दृढ़ संकल्प ने हमें दिखाया है कि असंभव को कैसे संभव बनाया जा सकता है, नामुमकिन को मुमकिन करना, असंभव को संभव करना ह्व

इन पुस्तकों, जिनमें 2022-23 के दौरान दिए गए 76 भाषण और 12 मन की बात संबोधन और 2023-24 के दौरान दिए गए 82 भाषण और 9 मन की बात संबोधन शामिल हैं और जिन्हें 11-11 विषयगत खंडों में संकलित किया गया है, की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये पुस्तकें प्रधानमंत्री की विचारों की स्पष्टता, दूरदर्शी दृष्टिकोण और समावेशी शासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। उपराष्ट्रपति ने भाषणों के सावधानीपूर्वक चयन और सुंदर प्रस्तुति के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग को बधाई भी दी।

स्वामी विवेकानंद के इस कथन को उद्धृत करते हुए कि, ह्लउठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाएह्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री का हर भाषण दृढ़ता, दृढ़ संकल्प और लोक कल्याण का ही संदेश देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये भाषण प्रधानमंत्री मोदी के उस दृष्टिकोण को दशार्ते हैं जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।

उन्होंने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', काशी तमिल संगमम, जनजातीय गौरव दिवस और राजपथ का नाम बदलकर कर्त्तव्य पथ करने जैसी पहलों के जरिए भारत की सांस्कृतिक पहचान को पुनर्जीवित करने में प्रधानमंत्री की भूमिका को रेखांकित किया।

युवा सशक्तिकरण के बारे में बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने स्टार्टअप इंडिया, फिट इंडिया, खेलो इंडिया, स्किल इंडिया और रोजगार मेला जैसी पहलों की प्रशंसा की और इन्हें 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का आधारभूत स्तंभ बताया। उन्होंने राष्ट्र के युवाओं में विश्वास पर आधारित पहल के रूप में मेरा युवा भारत (माई भारत) के शुभारंभ पर भी प्रकाश डाला।

जी-20 की भारत की अध्यक्षता का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में ऐतिहासिक रूप से शामिल किए जाने की सराहना की तथा प्रधानमंत्री मोदी के वसुधैव कुटुम्बकम- विश्व एक परिवार है- के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

उन्होंने आगे कहा कि ये भाषण प्रधानमंत्री मोदी की ह्ल360-डिग्री संलग्नताह्व को दशार्ते हैं, जिसमें वैश्विक एजेंडा को आकार देने से लेकर वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत और 'पीएम-सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' जैसी परिवर्तनकारी स्थानीय पहलों को आगे बढ़ाना शामिल है। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम किस प्रकार सतत विकास लक्ष्यों को दशार्ते हैं और लोगों के जीवन में ठोस बदलाव लाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि जन धन योजना, आधार-मोबाइल लिंकेज, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी, किसानों के लिए पीएम-किसान, मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि जैसी पहलों के जरिए पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी के जाल से बाहर निकल आए हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी धर्म, कर्तव्यबोध और सेवाभाव पर आधारित भारत के सभ्यतागत मूल्यों से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने हमें याद दिलाया कि एक मजबूत राष्ट्र केवल शक्ति से नहीं, बल्कि चरित्र और एकता से बनता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए कोई भी लक्ष्य कभी बहुत दूर या बहुत कठिन नहीं होता, क्योंकि वे निरंतर 1.40 अरब भारतीयों की शक्ति से ताकत प्राप्त करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि जनता की सामूहिक क्षमता में प्रधानमंत्री के अटूट विश्वास ने स्वच्छ भारत अभियान को जनभागीदारी के एक जन आंदोलन में बदल दिया और नागरिकों में ह्लस्वच्छता ही सेवा हैह्व की भावना का संचार किया। उन्होंने आगे कहा कि इसी विश्वास ने प्रधानमंत्री को कोविड संकट के दौरान भारत को आत्मनिर्भरता के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ाने का साहस दिया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक दशक पहले, भारत को पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था। आज, भारत गर्व से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और यह जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह महज एक आर्थिक उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र प्रथम की भावना का परिणाम है जो देश की विकास यात्रा का मार्गदर्शन करती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि विकसित भारत का सपना आंखों में चमक रहा है और राष्ट्र प्रथम का सिद्धांत हर नागरिक के दिल में गूंज रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विरासत, इतिहास, भाषा और संस्कृति के प्रति नए सिरे से प्रेम देश के अमृत काल का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुस्तकें पाठकों को 'नए भारत' की शक्ति एवं आकांक्षाओं को समझने में मदद करेंगी और उन्हें 2047 तक विकसित भारत के निर्माण हेतु इस अमृत काल में अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करेंगी।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने इन खंडों को प्रकाशित करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा प्रकाशन विभाग की टीम को बधाई दी।

इस कार्यक्रम में माननीय सूचना और प्रसारण, रेलवे, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, माननीय उपराष्ट्रपति के सचिव श्री अमित खरे, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू, भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष न्यायमूर्ति (श्रीमती) रंजना प्रकाश देसाई, सांसद श्री निशिकांत दुबे एवं श्री योगेश चंदोलिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रख्यात पत्रकार उपस्थित थे।

कोयला क्षेत्र में जीएसटी सुधार - कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम

(एजेंसी)।

कोयला मंत्रालय ने जीएसटी परिषद की नई दिल्ली में हुई 56वीं बैठक में लिए गए उन ऐतिहासिक निर्णयों का स्वागत किया है जिनसे कोयला क्षेत्र के कराधान ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। ये सुधार कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हैं जिससे कोयला उत्पादकों के साथ-साथ उपभोक्ताओं को भी लाभ होगा।

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर को हटाया गयाः परिषद ने कोयले पर पहले लगाए गए 400 रुपए प्रति टन क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त कर दिया है।

कोयले पर जीएसटी दर में वृद्धिः कोयले पर जीएसटी दर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है।

कोयला मूल्य निर्धारण और बिजली क्षेत्र पर नए सुधार के कारण कुल कर भार में उल्लेखनीय कमी आई है क्योंकि जी6 से जी17 श्रेणी के कोयला मूल्य में 13.40 रुपए प्रति टन से लेकर 329.61 रुपए प्रति टन तक की कमी देखी गई है। बिजली क्षेत्र के लिए औसत कमी लगभग 260 रुपए प्रति टन है जो उत्पादन लागत में 17-18 पैसे प्रति किलोवाट घंटा की कमी दशार्ती है।

सभी कोयला श्रेणियों में कर भार को युक्तिसंगत बनाने से न्यायसंगत व्यवहार सुनिश्चित होगा। यह पहले लागू 400 रुपए प्रति टन क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त करेगा जो निम्न-गुणवत्ता और कम कीमत वाले कोयले पर असमान रूप से प्रभाव डालता था। उदाहरण के लिए, कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा सबसे अधिक मात्रा में उत्पादित जी-11 नॉन-कोकिंग कोयले पर कर भार 65.85 प्रतिशत था जबकि जी2 कोयले पर यह 35.64 प्रतिशत था। उपकर हटा दिए जाने के बाद अब सभी श्रेणियों पर कर भार एक समान रूप से 39.81 प्रतिशत हो गया है।

भारत की आत्मनिर्भरता मजबूत हुई है और आयात पर अंकुश भी लगा है क्योंकि उपकर हटाने से प्रतिस्पर्धा का स्तर समान हो गया है और पहले की वह स्थिति अब नहीं है जहां 400 रुपए प्रति टन की जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की एकसमान दर के परिणामस्वरूप उच्च सकल कैलोरी मान वाले आयातित कोयले की लैंडिंग लागत भारतीय निम्न-श्रेणी के कोयले की तुलना में कम थी। यह सुधार भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है और अनावश्यक कोयला आयात पर अंकुश लगाता है।

इन सुधारों ने कोयले पर जीएसटी की दर बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी है जिससे उलटा शुल्क विसंगति भी दूर हो गई है। पहले, कोयले पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता था जबकि कोयला कंपनियों द्वारा उपयोग की जाने वाली इनपुट सेवाओं पर उच्च जीएसटी दर, सामान्यतः 18 प्रतिशत लागू होती थी। इस असमानता के कारण, कोयला कंपनियों की कम उत्पादन जीएसटी देयता के कारण, उनके खातों में अप्रयुक्त कर क्रेडिट जमा होता था।

रिफंड का कोई प्रावधान न होने के कारण, यह राशि बढ़ती रही और धनराशि अवरुद्ध होती रही। आने वाले वर्षों में अप्रयुक्त राशि का उपयोग जीएसटी कर देयता का भुगतान करने के लिए किया जा सकता है जिससे तरलता पर लगी रोक हटेगी और कोयला कंपनियों को अप्रयुक्त जीएसटी क्रेडिट के जमा होने के कारण होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी तथा वित्तीय स्थिरता बढ़ेगी।

जीएसटी दरों में 5 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की वृद्धि के बावजूद, सुधारों का समग्र प्रभाव यह है कि अंतिम उपभोक्ताओं के लिए कर भार कम होगा, साथ ही उल्टे शुल्क ढांचे में सुधार होगा, जिससे तरलता बढ़ेगी, विकृतियां दूर होंगी तथा कोयला उत्पादकों के लिए घाटे को रोका जा सकेगा।

जीएसटी परिषद के निर्णयों से भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने, उत्पादकों को समर्थन देने, उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप कोयला क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है जिससे वास्तव में यह एक संतुलित सुधार बन जाएगा।

मुख्यालय आईडीएस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा पर असैन्य -सैन्य सहभागिता के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हुए संयुक्त सैन्य कार्रवाई समीक्षा और मूल्यांकन (कोर) कार्यक्रम का आयोजन

(एजेंसी)।

मुख्यालय एकीकृत रक्षा कार्मिक (मुख्यालय आईडीएस) द्वारा संयुक्त सैन्य कार्रवाई समीक्षा और मूल्यांकन (कोर) कार्यक्रम का आयोजन 22 से 26 सितंबर, 2025 तक नई दिल्ली के यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया में किया जा रहा है। यह पहल राष्ट्रीय सुरक्षा पर असैन्य-सैन्य सहभागिता के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करती है, जो भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ रक्षा, विदेश और गृह मंत्रालयों के अधिकारियों को एक साथ लाती है।

कोर के विषयों में उभरती क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियां, युद्ध की प्रकृति पर तकनीकी परिवर्तनों का प्रभाव, रणनीतिक संचार का महत्व और जटिल एवं बहुआयामी खतरों से निपटने में असैन्य व सैन्य हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल की बढ़ती आवश्यकता शामिल हैं।

पांच दिनों तक चलने वाला कोर कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों और प्रमुख पेशेवरों के साथ गहन विचार-विमर्श के माध्यम से समकालीन राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर व्यापक जानकारी प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम रणनीतिक रूप से जागरूकता बढ़ाने और प्रतिभागी अधिकारियों को नए दृष्टिकोणों से लैस करने के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे अपने भविष्य

के नेतृत्व की भूमिकाओं में व्यावहारिक, सही सूचना आधारित व संतुलित निर्णय ले सकें।

यह चर्चा दृष्टिकोण को व्यापक बनाने, संयुक्त समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करने और वरिष्ठ नेतृत्व की बौद्धिक क्षमता को सशक्त करने में सहायक होगी। साथ ही, यह कार्यक्रम पेशेवर दक्षताओं को बढ़ाने, अंतर-सेवा संयुक्तता को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की गतिशील चुनौतियों से निपटने के लिए भविष्य के योद्धाओं को तैयार करने में मुख्यालय आईडीएस की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

जनसुराज 243 सीटों कैसे उतारेगा अपने उम्मीदवार? प्रशांत किशोर ने बनाया मास्टर प्लान

(एजेंसी)।

बिहार में विधानसभा चुनाव की आहट तेज हो चुकी है। सभी दल अपने-अपने स्तर पर चुनावी रणनीति में जुट गए हैं। ऐसे माहौल में सबसे ज्यादा चर्चा बटोर रही है प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज। प्रशांत किशोर ने एक ऐसा मास्टर प्लान तैयार किया है, जिसके तहत पार्टी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है।

खास बात ये है कि टिकट बंटवारे का फैसला बंद कमरे में नहीं, बल्कि कार्यकताओं और स्थानीय जनता की राय के आधार पर होगा। यही रणनीति जनसुराज को बाकी दलों से अलग खड़ा करती है।

विधानसभा वार सम्मेलन से होगी शुरूआत

जनसुराज पार्टी ने सोमवार (22 सितंबर) से विधानसभा वार सम्मेलन की शुरूआत कर दी है। यह अभियान 26 सितंबर से लेकर 3 से 6 अक्टूबर तक चलेगा और इसमें राज्य के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। हर सम्मेलन में पार्टी के संस्थापक सदस्य, केंद्रीय पर्यवेक्षक, जिला प्रभारी और जिलाध्यक्ष मौजूद रहेंगे।

इस दौरान स्थानीय कार्यकताओं से लेकर बूथ, पंचायत और प्रखंड स्तर तक की इकाइयों से उस इलाके की राजनीतिक स्थिति पर फीडबैक लिया जाएगा।

टिकट बंटवारे का नया प्रयोग

जहां अन्य दलों में टिकट का फैसला आलाकमान करता है, वहीं जनसुराज इसे पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से करने का दावा कर रही है। उम्मीदवार चुनने से पहले कार्यकताओं से पूछा जाएगा कि कौन व्यक्ति चुनाव लड़ने की क्षमता और प्रभाव रखता है।

साथ ही उम्मीदवार की सामाजिक पकड़, लोकप्रियता और संगठन से जुड़ाव पर भी राय ली जाएगी। पार्टी प्रवक्ता सैयद मसीहउद्दीन के मुताबिक, जनसुराज का ये प्रयोग बिहार की राजनीति में एक "नवाचार" साबित हो सकता है।

पैक्स प्रतिनिधियों से मुलाकात

प्रशांत किशोर ने हाल ही में भोजपुर और बक्सर के करीब 300 पैक्स प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि जब तक किसान और पैक्स प्रतिनिधि संगठित होकर अपनी समस्याओं की आवाज नहीं उठाएंगे, तब तक सरकार उनकी सुध नहीं लेगी। ढङ ने उन्हें हर स्तर पर एकजुट होकर दबाव बनाने की सलाह दी।

इस बैठक में केंद्रीय सहकारी बैंक भोजपुर के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में आए प्रतिनिधियों ने पीके को धान खरीद और पैक्स से जुड़ी कई परेशानियों से अवगत कराया। बैठक में पूर्व आईएएस और जनसुराज नेता एनपी मंडल और सहकारी नेता त्रिवेणी प्रसाद सिंह भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने भी प्रतिनिधियों से अपनी समस्याओं को लेकर मजबूती से खड़े होने की अपील की।

ढङ का बड़ा दांव

जनसुराज की रणनीति साफ है- टिकट पाने का हक उन्हीं को मिलेगा, जिनके पक्ष में जमीनी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग खड़े होंगे। इससे पार्टी उम्मीद कर रही है कि जनता का भरोसा बढ़ेगा और संगठन मजबूत होगा। प्रशांत किशोर का मानना है कि बिहार की राजनीति में बदलाव तभी संभव है, जब लोगों की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित न रहकर, टिकट तय करने तक भी पहुंचे।

बिहार चुनाव 2025 में जनसुराज का यह मास्टर प्लान कितना असरदार साबित होगा, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन एक बात तय है- 243 सीटों पर कार्यकताओं की राय से उम्मीदवार चुनने की यह पहल जनता के बीच चर्चा का विषय बन गई है। अब देखना होगा कि ढङ का यह "नवाचारी दांव" जनसुराज को चुनावी अखाड़े में कितना मजबूत करता है।

फ्लाइट के लैडिंग गियर में छिपकर अफगानिस्तान से 13 साल का लड़का पहुंचा दिल्ली, हैरान कर देगा पूरा मामला

(एजेंसी)।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (IGI) हवाई अड्डे पर ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर बॉलीवुड फिल्म की यादें ताजा हो गई जिसमें हीरो वीजा ना होने के कारण फ्लाइट के बाहर लैंडिंग गियर कंपार्टमेंट में बैठकर यात्रा करता है।

ठीक वैसे ही घटना रविवार सुबह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (IGI) हवाई अड्डे पर विमान के उतरने के बाद सामने आई। एक 13 साल का लड़का काबुल से दिल्ली आने वाली उड़ान में फ्लाइट के अंदर नहीं बल्कि बाहर लैडिंग्र गियर छिपकर दिल्ली पहुंचा।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, लड़के ने काबुल हवाई अड्डे के प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश किया और डअट एयर की उड़ान फ्द्द-4401 के पिछले केंद्रीय लैंडिंग गियर कंपार्टमेंट में छिप गया। काबुल से उड़ान भरने के बाद, विमान लगभग दो घंटे की

यात्रा के बाद सुबह 11:00 बजे दिल्ली में उतरा।

विमान उतरने के बाद, एयरलाइन कर्मचारियों ने किशोर को विमान के पास घूमते देखा, जिसके बाद हवाई अड्डे की सुरक्षा को सतर्क किया गया। उत्तरी अफगानिस्तान के कुंदुज शहर का रहने वाला यह लड़का एयरलाइन स्टाफ द्वारा पकड़ा गया और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) को सौंप दिया गया। उसे पूछताछ के लिए टर्मिनल 3 ले जाया गया।

पीटीआई रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, लड़के ने दावा किया कि वह सिर्फ जिज्ञासावश विमान में घुसा था और उसे इसमें शामिल जोखिमों की पूरी जानकारी नहीं थी। अधिकारियों ने पुष्टि की कि लड़के को उसी विमान से अफगानिस्तान वापस भेज दिया गया, जिसने रविवार को दोपहर 12:30 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी।

डअट एयरलाइंस के सुरक्षा कर्मियों ने लैंडिंग गियर कंपार्टमेंट का गहन निरीक्षण किया और एक छोटा लाल स्पीकर बरामद किया, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह लड़के का था। अधिकारियों ने बताया कि व्यापक जांच, जिसमें तोड़फोड़-रोधी उपाय भी शामिल थे, के बाद विमान को सुरक्षित घोषित कर दिया गया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

भावनगर मंडल के 2 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मुंबई स्थित मुख्यालय में 12 कर्मचारियों को सम्मानित किया। इन कर्मचारियों ने अपने सतर्क कार्य से सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित किया। अगस्त 2025 माह में सतर्कता बरतने एवं संभावित घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए इन कर्मचारियों को जी.एम. संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मानित कर्मचारियों में 2-2 कर्मचारी मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर मंडल से हैं। भावनगर मंडल से श्री सीता राम यादव (स्टेशन मास्टर झ धोला जंक्शन) और श्री राठोड़ नरेन्द्रकुमार विरजिभाई (सहायक लोको पायलट-भावनगर टर्मिनस) को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि वे सभी अनुकरणीय आदर्श हैं। कर्मचारियों की उच्च स्तर की प्रतिबद्धता एवं समर्पण ने सुरक्षित रेल संचालन में अहम भूमिका निभाई है। इनमें सुरक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों जैसे टूटे बोल्ट का पता लगाना, कोच/इंजन के नीचे धुआं एवं चिंगारी का पता लगाना, पटरियों में दरार, टूटा कपलर बॉडी, डिब्बों में लटकते हुए सामान, दुर्घटना राहत ट्रेन (अफ्छ), खुले फाटक से पहले आपातकालीन ब्रेक लगाकर दुर्घटना रोकना आदि शामिल हैं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी एवं प्रशंसा कर भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करते रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

पश्चिम रेलवे सभी सम्मानित कर्मचारियों की त्वरित सोच एवं सतर्कता की सराहना करती है, जिनकी वजह से संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका।

रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री फ्रांसिस लोबो के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल, द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस

दिनांक 20 सितम्बर 2025 को रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री फ्रांसिस लोबो के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल, द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं रेल कर्मचारी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रमों में सहभागिता प्रदान की। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बल सदस्यों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जागृत करना, आम नागरिकों को जागरूक करना एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना रहा।

आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों में

मंडल स्तर पर आयोजित रक्तदान शिविर (जिसमें 41 बल सदस्यों एवं 13 बाहरी व्यक्तियों सहित कुल 54 यूनिट रक्तदान हुआ), विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण,पोस्टों एवं बैरकों में साफ-सफाई अभियान, सरदार नगर रेलवे कॉलोनी में स्वच्छता जागरूकता रैलीएवंपौधों के संरक्षण का संकल्प, दीपक फाउंडेशन (उहउ) के बाल संरक्षण गृह में बच्चों का उत्साहवर्धन, तथा यात्री गाड़ियों में ह्यमेरीसहेलीह्व, रेलवे हेल्पलाइन 139 एवं जहरखुरानी से संबंधित जागरूकता अभियान शामिल रहे।

इस प्रकार वडोदरा मंडल द्वारा रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस पर समाजहित एवं जन-जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गऐ जिनमें बल सदस्यों ने उल्लास एवं ऊर्जा के साथ सक्रिय भागीदारी निभाई और स्थापना दिवस को सफल एवं गरिमामय बनाया।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आयोजित वेस्ट टू आर्ट प्रदर्शनी में रीसाइक्लिंग की अभिनव प्रस्तुतियाँ

कचरे को बहुमूल्य चीजों में बदला - पश्चिम रेलवे ने अभिनव रीसाइक्लिंग से यात्रियों को दी प्रेरणा

कचरे से कला तक : मुंबई सेंट्रल के यात्रियों को स्वच्छ भविष्य का संदेश देती मनमोहक प्रदर्शनी

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा 22 सितंबर 2025 को मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक अनूठी "वेस्ट टू आर्ट" प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत स्टेशन के कॉन्कोर्स हॉल में आयोजित यह प्रदर्शनी दिखाती है कि पश्चिम रेलवे अपशिष्ट कम करने और बेकार सामग्रियों के रचनात्मक पुनः उपयोग के प्रति कितनी प्रतिबद्ध है। यह पहल यह भी संदेश देती है कि आमतौर पर बेकार मानी जाने वाली वस्तुएँ भी सृजनात्मकता और नवप्रवर्तन से उपयोगी, आकर्षक और प्रेरक रूप ले सकती हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्रदर्शनी में मूर्तियों और कलात्मक प्रतिष्ठानों का एक प्रभावशाली संग्रह प्रदर्शित किया गया है, जो पूरी तरह से कबाड़ और बेकार रेलवे सामग्री से निर्मित हैं। एमएस पाइप, एंकर लिंक कंट्रोल आर्म्स, एमएस एंगल्स, एमएस शीट्स, ब्रेक हैंगर ब्रैकेट्स, कॉइल्ड स्प्रिंग्स, अल्टरनेटर टेंशन रॉड स्प्रिंग्स, वॉशर और अन्य धातु के स्क्रैप जैसी वस्तुएँ, जिन्हें आमतौर पर कबाड़खाने में फेंक दिया जाता है, उन्हें कला की आकर्षक कृतियों में बदल दिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा संचालित यह पहल न केवल रचनात्मकता के लिए है, बल्कि जागरूकता फैलाने के लिए भी है। हर स्थापना एक संदेश देती है: कचरे पर पुनर्विचार करें, स्मार्ट तरीके से रीसायकल करें और नई संभावनाओं की कल्पना करें। मुंबई सेंट्रल से रोजाना गुजरने वाले हजारों यात्री इस प्रदर्शन को निहारने, तस्वीरें लेने और "कचरे" के वास्तविक अर्थ को समझने के लिए एक नए दृष्टिकोण के साथ लौटते हैं।

श्री विनीत अभिषेक ने आगे बताया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से, पश्चिम रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को उन चीजों में छिपी संभावनाओं को देखने के लिए प्रेरित करना है, जिन्हें आमतौर पर कचरे के रूप में फेंक दिया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल एक छोटा लेकिन सार्थक कदम है जो स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप है और एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित भविष्य के निर्माण के पश्चिम रेलवे के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के पूरे देश में जोर पकड़ते जा रहे इस अभियान के साथ यह प्रदर्शनी इस बात का एक

वालारिवन जैसी खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुजरात का नाम रोशन किया

खेलों में महिलाओं को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात सरकार, शक्तिदूत योजना के अंतर्गत 2024-25 में महिला खिलाड़ियों को 147 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक सहायता का वितरण

तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया खेल महाकुंभ बना गेम चेंजर, 26 लाख से अधिक महिलाओं ने कराया रजिस्ट्रेशन

महिला खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार योजना के तहत कुल 11 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी गई

गांधीनगर, 22 सितंबर : नवरात्रि यानी शक्ति के नौ स्वरूपों की आराधना का महोत्सव। नवरात्रि का त्योहार नारी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत@2047' के विजन को साकार करने में महिला सशक्तिकरण पर हमेशा जोर दिया है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और अब भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लगातार प्रयास किए हैं। खेल क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा शुरू की गई खेल महाकुंभ की पहल और उसी तर्ज पर राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किए गए खेलो

इंडिया कार्यक्रम के चलते देश की महिला खिलाड़ियों की प्रतिभा में अभूतपूर्व निखार आया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है।

गुजरात की महिला खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दमदार प्रदर्शन, खेल महाकुंभ में 26 लाख से अधिक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन

गुजरात की महिला खिलाड़ियों ने बीते कुछ सालों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी है। सरिता गायकवाड़ (दौड़), माना पटेल (तैराकी), अंकिता रैना (टेनिस), इलावेनिल वालारिवन (निशानेबाजी) और भाविना पटेल (टेबल टेनिस) जैसी खिलाड़ियों ने खेल क्षेत्र में दमदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुजरात का नाम रोशन किया है। इन खिलाड़ियों ने राज्य की अन्य महिलाओं को खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने को प्रेरित किया है। उल्लेखनीय है कि 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई खेल महाकुंभ की पहल के कारण अब महिलाएं बड़ी संख्या में विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रही हैं। खेल महाकुंभ एशिया का सबसे बड़ा जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान और विकास का कार्यक्रम है। अब तक कुल 26 लाख 56 हजार से अधिक महिलाओं ने खेल महाकुंभ के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

शक्तिदूत योजना के अंतर्गत महिला खिलाड़ियों को 147 लाख रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि का वितरण

गुजरात सरकार ने वर्ष 2006 में शक्तिदूत योजना लागू की थी, जिसका उद्देश्य राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने के लिए तैयार करना है। इस योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों की क्षमता को ध्यान में रखकर उन्हें आवश्यकतानुसार खेल से संबंधित सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

शक्तिदूत योजना के तहत अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना को 2017 से 2024 के दौरान 2 करोड़ 19 लाख रुपए से अधिक की सहायता प्रदान की गई है। वहीं, तैराकी में डंका बजाने वाली माना पटेल को शक्तिदूत योजना के तहत 2017 से 2024 के दौरान 67,50,798 रुपए की सहायता प्रदान की गई है। माना पटेल राज्य की पहली महिला तैराक हैं, जिन्होंने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने साउथ एशियन गेम्स जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा तथा खेलो इंडिया जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी पदक जीते हैं।

डांग एक्सप्रेस के रूप में जानी जाने वाली और एशियाई खेल 2018 में महिलाओं की 4ग्400 मीटर रिले टीम प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीतने वाली सरिता गायकवाड़ को शक्तिदूत योजना के तहत 2017 से 2024 के दौरान 12 लाख रुपए की सहायता दी गई है।

पश्चिम रेलवे के 12 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया

मुंबई, 22 सितंबर, 2025

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में 12 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया, जिनके योगदान से सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित हो सका। ये कर्मचारी अगस्त, 2025 माह के दौरान ड्यूटी में सतर्कता बरतते हुए किसी भी अप्रिय घटना को टालने में सफल रहे। इन 12 कर्मचारियों में मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर मंडल से दो-दो कर्मचारी शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्री

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक, प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकताओं के साथ दिखाई दे रहे हैं।

गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे टूटे हुए बोल्ट का पता लगाना, कोच/इंजन के नीचे धुएँ और चिंगारी का पता लगाना, ट्रैक में फ्रैक्चर, टूटी हुई कपलर बॉडी, वैगनों और दुर्घटना राहत ट्रेन (ART) में लटकती वस्तुओं का पता लगाना, किसी खुले लेवल क्रॉस गेट से पहले आपातकालीन ब्रेक लगाकर अप्रिय घटनाओं से बचाव आदि में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण दिखाई।

पश्चिम रेलवे को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

रेलवे बोर्ड में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समझाया स्वच्छता का महत्व

दिनांक 22 सितम्बर 2025 को 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के अंतर्गत स्वच्छ आदतों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड सांस्कृतिक दल द्वारा रेल भवन के विचार सभागार में स्वच्छता जागरूकता सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार, सदस्य (वित्त) उषा वेणुगोपाल, सदस्य (अवसंरचना) नवीन गुलाटी, महानिदेशक (आरपीएफ) सुश्री सोनाली मिश्रा, महानिदेशक (मानव संसाधन) आर. राजगोपाल, महानिदेशक (संरक्षा) हरि शंकर वर्मा तथा सचिव, रेलवे बोर्ड सुश्री अरुणा नायर सहित बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में अध्यक्ष, रेलवे

बोर्ड सतीश कुमार ने स्वच्छता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक व्यक्ति से साल में 100 घंटे और प्रति सप्ताह 2 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हम सबको संकल्प लेना होगा कि सदैव स्वच्छता के प्रति जागरूक रहेंगे और अपने गांव, शहर, रेलवे स्टेशन तथा देश को स्वच्छ रखने में योगदान देंगे। कार्यक्रम की शुरूआत अपूर्व ने किया।

प्रतिभा और पंकज विशाल द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद सांस्कृतिक दल ने 'स्वच्छता मिशन' पर आधारित सामूहिक गीत प्रस्तुत किया। साथ ही, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छ आदतों की आवश्यकता और उसके लाभों को विस्तार से दर्शाया गया।

इस मौके पर टी.पी. चावला, हर्ष सिंह, दिव्या खुराना और पंकज विशाल ने स्वच्छता पर आधारित अपनी स्वरचित कविताओं का वाचन कर सभी को प्रभावित किया।

कार्यक्रम का संयोजन संयुक्त सचिव, रेलवे बोर्ड टी. श्रीनिवास ने किया, जबकि मंच संचालन प्रीति मान

कचरे को खजाने में बदलना: स्वच्छता ही सेवा 2025 के दौरान अहमदाबाद मंडल नवाचार में अग्रणी

अहमदाबाद मण्डल पर "कचरे से कला प्रतिष्ठान" और आरआरआर गतिविधियाँ आयोजित की गई

"स्वच्छता ही सेवा" (रलर) अभियान 2025, जो कि 17 सितम्बर से राष्ट्रव्यापी स्तर पर प्रारंभ हुआ, 2 अक्टूबर 2025 को गांधी जयंती के अवसर पर संपन्न होगा। इस अभियान के अंतर्गत पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल निरंतर नवाचार एवं पर्यावरणीय जागरूकता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

अभियान के छठे दिन, दिनांक 22.09.2025 को "कचरे से कला प्रतिष्ठान" विषय के तहत अहमदाबाद मंडल में विविध स्थलों पर अपशिष्ट पदार्थों के रचनात्मक उपयोग पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस दिन का उद्देश्य "RRR" (Reduce, Reuse, Recycle) कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनर्चक्रण करें की भावना को बढ़ावा देना था।

डीजल शेड, साबरमती तथा कोचिंग डिपो भुज में बेकार एवं

अनुपयोगी सामग्रियों से प्रेरणादायक कलाकृतियाँ तैयार की गईं। इन कृतियों में एक सुंदर गणपति मंदिर, एक स्वागत प्रतिमा, तथा कुत्ते और तकनीशियन/फिटर जैसी कल्पनाशील आकृतियाँ सम्मिलित थीं। इन कलाकृतियों ने न केवल कर्मचारियों की रचनात्मक क्षमता को उजागर किया, बल्कि कचरे को संस्कृति, सृजनशीलता और स्थिरता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर पर्यावरणीय संदेश भी प्रसारित किया।

इसी प्रकार, इलेक्ट्रिक लोको शेड, वटवा ने डीजल इंजनों के स्क्रैप घटकों का उपयोग करते हुए विभिन्न मूर्तियाँ एवं सजावटी कलाकृतियाँ बनाई। यह प्रयास "कचरे से सर्वश्रेष्ठ" विषय को साकार करते हुए पुनः उपयोग की अवधारणा में छिपे संभावनाओं को उजागर करता है।

फ्फ्फ गतिविधियों के तहत, अहमदाबाद स्टेशन ने प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों का सक्रिय उपयोग करते हुए प्लास्टिक कचरे के जिम्मेदार निपटान को बढ़ावा दिया। यात्रियों को पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, गांधीधाम स्टेशन पर प्लास्टिक कचरे का विश्लेषण कर उसके उपयोग को सीमित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, जिससे स्टेशन परिसर को अधिक स्वच्छ और हरित बनाए रखने में मदद मिली।

इन सभी पहलों ने अहमदाबाद मंडल की पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी, नवाचार और सामूहिक सहयोग की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया, जो स्वच्छता ही सेवा झ 2025 अभियान के प्रमुख स्तंभ हैं।

नवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री के करकमलों से राज्य के नागरिकों को स्वास्थ्योन्मुखी भेंट

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के स्वास्थ्य सुख के लिए 'गुजरात कर्मयोगी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना'का शुभारंभ कराया

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल ने 94 नई 108 एम्बुलेंस को फ्लैगऑफ देकर प्रस्थान कराया

गांधीनगर, 22 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल की प्रेरक उपस्थिति में सोमवार को गांधीनगर में गुजरात कर्मयोगी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (जी-कैटेगरी) का शुभारंभ समारोह आयोजित हुआ। इस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने योजना का विधिवत शुभारंभ कराकर योजना की एनरोलमेंट प्रक्रिया शुरू कराई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के करकमलों से योजना के लाभार्थी अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रतीक के रूप में आयुष्मान कार्ड प्रदान किए

गए। इसके अतिरिक्त; मुख्यमंत्री ने 94 नई 108 एम्बुलेंस को फ्लैग ऑफ देकर उनका लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि गुजरात में सेवारत ऑल इंडिया सर्विसेज के अधिकारियों, राज्य सरकार के अधिकारियों-कर्मचारियों, पेंशनभोगियों तथा उनके परिवारों के लिए आज से 'गुजरात कर्मयोगी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (जी-कैटेगरी)' लागू की गई है। इस योजना के लागू होने से अब सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को भी 10 लाख रुपए तक के कैशलेस चिकित्सा उपचार का लाभ मिलेगा तथा उनके स्वास्थ्य सुख में भी वृद्धि होगी।

इसके अतिरिक्त; गुजरात के नागरिकों को आकस्मिक समय में प्राथमिक उपचार प्रदान कर गोल्डन अवर में अस्पताल पहुँचाने वाली 108 एम्बुलेंस के नेटवर्क में भी आज से वृद्धि होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकार्पित हुईं नई 94 एम्बुलेंस में आधुनिक टेक्नोलॉजी इंटीग्रेट करके उसे अधिक कार्यक्षम एवं अत्याधुनिक बनाया गया है, जिससे नागरिकों को क्रिटिकल समय में आवश्यक उपचार प्रदान किया जा सके।

इस समारोह में मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री धनंजय द्विवेदी, स्वास्थ्य आयुक्त (नगरीय) श्री हर्ष पटेल एवं स्वास्थ्य आयुक्त (ग्रामीण) श्री रतनकँवर चारण गढवी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कानपुर में सौहार्द की मिसाल, आई लव मोहम्मद पर विवाद के बाद एकजुट हुए सभी धर्म

एकता की गूंज, कानपुर में धर्मगुरुओं ने दिया सौहार्द का संदेश,

कानपुर। अक्सर खबरें नफरत और विवाद की बातें करती हैं, पर कानपुर से आई यह खबर उम्मीद की एक नई किरण जगाती है। जहाँ कुछ लोग चंद शब्दों को लेकर माहौल बिगाड़ने पर तुले थे, वहीं शहर के हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई धर्मगुरु एक साथ मिलकर खड़े हुए और उन्होंने बताया कि असली भारत नफरत में नहीं, बल्कि मोहब्बत में बसता है।

कानपुर के सैय्यद नगर में खुशी का माहौल था। हर तरफ रोशनी की सजावट थी और आई लव मोहम्मद लिखा बैनर लगा हुआ था, जो आस्था और प्रेम का एक सीधा-साधा इजहार था। ठीक वैसे ही जैसे कोई आई लव इंडिया या आई लव कृष्णा कहता है। इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह सिर्फ एक इंसान की अपने धर्म और पैगंबर के प्रति गहरी श्रद्धा को दशार्ता है।

लेकिन, कुछ असामाजिक तत्वों ने इस सादे से बैनर को विवाद का मुद्दा बना दिया। उन्होंने इसे लेकर हंगामा किया, धरना दिया और न सिर्फ पुलिस को गुमराह किया, बल्कि शहर के अमन-चैन को भी बिगाड़ने की कोशिश की। मगर, उनकी यह कोशिश तब नाकाम हो गई जब सर्व धर्म महासभा के लोग एक साथ आए।

अखिल भारतीय सर्व धर्म महासभा के सदस्यों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में मुस्लिम समुदाय के महबूब आलम खान के साथ-साथ हिंदू धर्म से पंडित राजेश मिश्रा, सिख समुदाय से सरदार राजेंद्र सिंह और ईसाई धर्म से एडवोकेट कुलदीप बाबा मसीह शामिल थे।

इस साझा कदम से उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि यह लड़ाई किसी एक धर्म की नहीं, बल्कि भारत की गंगा-जमुनी तहजीब को बचाने की है। उन्होंने सवाल उठाया, क्या प्रेम की अभिव्यक्ति भी अब आपत्तिजनक हो गई है?

उनका यह मानना है कि देश का माहौल बिगाड़ने वाले ये लोग आखिर कौन हैं? और ऐसे लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि हमारा समाज सौहार्द और सद्भावना के रास्ते पर आगे बढ़ता रहे।

यह घटना दिखाती है कि भले ही कुछ लोग दीवारें खड़ी करने की कोशिश करें, पर जब दिल से दिल मिलते हैं तो प्रेम की जमीन पर सारी दीवारें ढह जाती हैं। कानपुर से उठी यह आवाज सिर्फ एक शहर की नहीं, बल्कि पूरे देश की एकता का प्रतीक है, जो हमें याद दिलाती है कि हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारी विविधता में ही छिपी है।

सहादतगंज में अमन की गूंज, त्योहार से पहले पुलिस ने बुलाई शांति बैठक

अफवाहों से बचें, भाईचारा बनाए रखें, सहादतगंज पुलिस का त्योहार पर शांति मंत्र,

लखनऊ। नवरात्रि के पावन पर्व को लेकर सहादतगंज थाना क्षेत्र में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। थाना सहादतगंज प्रभारी संतोष राय ने स्थानीय निवासियों और जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर एक बैठक की, जिसका मुख्य उद्देश्य आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाना सुनिश्चित करना था।

बैठक में थाना सआदतगंज प्रभारी संतोष राय ने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि त्योहार हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग हैं और इन्हें शांतिपूर्ण ढंग से मनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस दौरान, पुलिस ने नवरात्रि के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी तैयारियों से भी लोगों को अवगत कराया। बताया गया कि संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा और सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मी निगरानी करेंगे। साथ ही, पूजा पंडालों और मंदिरों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।

स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और शांति बनाए रखने में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में मौजूद विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने भी कहा कि वे अपने-अपने स्तर पर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करेंगे। इस तरह की बैठकें न सिर्फ पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल बनाती हैं, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे की भावना को भी मजबूत करती हैं।

पोको का शानदार फेस्टिव ऑफर: फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल में स्मार्टफोन्स पर मिल रही हैं बेमिसाल डील्स

23 सितंबर 2025 से फ्लिपकार्ट की बीबीडी सेल में पाइए पोको के नए स्मार्टफोन्स, जिन्हें खासतौर से पावर यूजर्स के लिए बनाया गया है

दिल्लीः भारत के सबसे तेजी से बढ़ते कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको इंडिया अपने 'पोको फेस्टिव मैडनेस' कैंपेन के साथ त्योहारों की खुशियां बढ़ाने के लिए तैयार है। कंपनी फ्लिपकार्ट के बिग बिलियन डेज सेल के दौरान अपनी , F, M & C सीरीज के आधुनिक स्मार्टफोन्स अविश्वसनीय कीमतों में पेश कर रही है।

यह बेहद प्रतीक्षित फेस्टिव सेल अब 23 सितंबर से मध्य रात्रि 12 बजे से फ्लिपकार्ट पर लाइव हो गई है। ग्राहक पोको के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन्स पर ब्लॉकबस्टर डील्स प्राप्त कर सकते हैं। इनमें शामिल हैं पोको एम7 फाइव जी पोको एम7 फाइव जी सेगमेंट का सबसे तेज फाइव जी स्मार्टफोन है, जिसमें 12 जीबी तक रैम (इसमें 6 जीबी टर्बो रैम शामिल), शक्तिशाली स्नैपड्रैगनङ 4 Gen 2 चिपसेट, 50 मेगापिक्सल सोनी कैमरा, और 6.88″ HD+ डिस्प्ले है, जो शानदार एंटरटेनमेंट अनुभव प्रदान करता है। पोको एम7 फाइव जी,

जिसकी मूल कीमत 10,499 रुपये थी, अब 19 प्रतिशत की आकर्षक छूट के साथ केवल 8,499 रुपये में उपलब्ध होगा।

पोको एम7 फाइव जी पोको एम7 प्लस फाइव जी में सेगमेंट में सबसे बड़ी 7000एमएएच बैटरी, 18ह रिवर्स चार्जिंग, 6.9″ FHD+ डिस्प्ले के साथ 144Hz तक रिफ्रेश रेट दी गई है और एम7 प्लस अब नए 4 जीबी रैम वैरिएंट में भी उपलब्ध है जिसे पिछले सप्ताह पेश किया गया था। यह उपभोक्ताओं को किफायती कीमतों में सीरीज में एंट्री करने की अनुमति देता है। इसकी मूल कीमत 12,999 रुपये थी और अब यह 15 प्रतिशत की शानदार छूट के साथ केवल 10,999 रुपये की कीमत में उपलब्ध है।

पोको एक्स7 प्रो फाइव जी सेगमेंट का सबसे शक्तिशाली फोन, जो 1.7 मिलियन से अधिक Antutu स्कोर के साथ आता है, जिसमें मीडिया टेक डाइमेंसिटी 8400 अल्ट्रा चिपसेट और पावर यूजर्स के लिए 90W फास्ट चार्जर के साथ 6550mAh सिलिकॉन कार्बन बैटरी है। इसकी मूल कीमत 27,999 रुपये थी और अब यह स्मार्टफोन 29% की शानदार छूट के साथ महज 19,999 रुपये की कीमत में उपलब्ध है।

पोको एफ7 फाइव जी परफॉर्मेंस की तलाश करने वालों के लिए बनाया गया, पोको एफ7 फाइव जी भारत की सबसे बड़ी 7550mAh सिलिकॉन-कार्बन बैटरी और आधुनिक स्नैपड्रैगन® 8s Gen 4 प्रोसेसर के साथ फ्लैगशिप-लेवल पावर प्रदान करता है। 2.1 मिलियन से अधिक के प्रभावशाली AnTuTu स्कोर के साथ, यह सहज मल्टीटास्किंग, तेज ऐप लॉन्च, और काम, मनोरंजन और बीच की हर चीज में अल्ट्रा-स्मूथ परफॉर्मेंस देता है, यह उन यूजर्सये के लिए आदर्श विकल्प है जो अपने स्मार्टफोन्स से ज्यादा की मांग करते हैं। 31,999 रुपये की कीमत में लॉन्च किया गया पोको एफ7 फाइव जी अब सिर्फ 28,999 रुपये में मिल रहा है।

एसबीआई कार्ड ने 'खुशियाँ अनलिमिटेड' कैंपेन के साथ अपने फेस्टिव ऑफर 2025 की शुरूआत की

22 सितंबर, 2025: भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड ने 'खुशियाँ अनलिमिटेड' कैंपेन की शुरूआत के साथ, पूरे देश में 2025 के फेस्टिव सीजन के लिए कई तरह के रोमांचक ऑफर्स पेश किए हैं। ग्राहक देश के टियर 2 और टियर 3 श्रेणी के शहरों सहित 2900 से ज्यादा शहरों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर मर्चेंट की ओर से दिए जाने वाले 1,250 से ज्यादा ऑफर्स, कैशबैक और तत्काल छूट का लाभ उठा सकते हैं। ये फेस्टिव ऑफर्स घरेलू सामानों, मोबाइल, लैपटॉप, फैशन, फर्नीचर, गहने, ई-कॉमर्स और किराना जैसे सभी प्रमुख श्रेणियों पर लागू हैं। ज्यादा कीमत वाली खरीदारी को कार्डधारकों के लिए अधिक आसान एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से, एसबीआई कार्ड ने ईएमआई को ध्यान में रखकर कई मशहूर ब्रांड्स के सहयोग से कई ऑफर भी पेश किए हैं।

इस उत्सव के माहौल में चार चांद लगाने के लिए, एसबीआई कार्ड अपने प्रमुख भागीदार ब्रांड्स से खरीदारी पर इंस्टेंट डिस्काउंट का बहुत ही रोमांचक ऑफर दे रहा है, जिसमें अमेजन, रिलायंस रिटेल ग्रुप, मैक्स, रेमंड्स, मोंटे कार्लो और इसी तरह के कई दूसरे ब्रांड शामिल हैं। इसके अलावा, एसबीआई कार्ड की ओर से कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मोबाइल और लैपटॉप जैसी लोकप्रिय श्रेणियों में ईएमआई को ध्यान में रखकर ऑफर की पेशकश की गई है, जिनमें 27.5% तक की तत्काल छूट भी शामिल है। फेस्टिव ऑफर के तहत शुरू की गई इस पहल में भाग लेने वाले प्रमुख ब्रांड्स में सैमसंग, हायर, एलजी, सोनी, ओप्पो, वीवो, पैनासोनिक, व्हर्लपूल, बॉश, आईएफबी, एचपी, लॉयड आदि शामिल हैं।

ऑफर्स और डिस्काउंट की इतनी बड़ी रेंज के साथ, एसबीआई कार्ड अपने ग्राहकों के लिए कुल मिलाकर खरीदारी के अनुभव को बेहतर बना रहा है, जो ज्यादा बचत, बेमिसाल सुविधा और बेजोड़ कीमतों की वजह से उनके लिए और भी फायदेमंद हो गया है।

ऑस्ट्रियाई राजदूत ने टीयू ऑस्ट्रिया और VFS एजुकेशन सर्विसेज की साझेदारी का किया प्रदर्शन,

नई दिल्ली में आयोजित एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में भारत में ऑस्ट्रिया की राजदूत हर एक्सेलेंसी कैथरीना वीजर (H.E. Ms. KÔthÔri»»fÔ Wieser), और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव आर्मस्ट्रांग पामे ने ऑस्ट्रिया की प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालयों- TU Wie»»f, TU GrÔz, TU Leobe»»ा और श्FS EducÔtio»»f Services के बीच सहयोगी कार्यक्रम का प्रदर्शन किया। इस पहल का उद्देश्य भारत और ऑस्ट्रिया के बीच शैक्षिक सहयोग और छात्र गतिशीलता को ज्यादा बहतर और मजबूत बनाना है।

19 सितम्बर 2025 को आयोजित इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अतिथियों में कार्ल ऑगस्ट लक्स, कौंसुल, ऑस्ट्रिया दूतावास, नई दिल्ली; प्रो. पीटर मोसर रेक्टर, TU Leobe»»f; क्लेमेंस वाइज, टीम लीड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप्स, इंटरनेशनल रिलेशंस एंड यूरोपियन यूनिवर्सिटी बर्नार्ड मार्टिरिस चीफ कल्चर ऑफिसर और एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सदस्य, VFS GlobÔl निर्भीक गोयल (Mr. Nirbhik Goel), चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर और एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सदस्य, VFS GlobÔl; तथा श्री अनिरुद्ध सिंह सीओओ एजुकेशन एंड माइग्रेशन सर्विसेज, VFS GlobÔl, शामिल रहे।

यह ऐतिहासिक पब्लिक प्राइवेट साझेदारी कुशल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी छात्रों की भारत-ऑस्ट्रिया गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। यह विशेष रूप से समस्त भारत के मान्यता प्राप्त कॉलेजों के छात्रों के लिए तैयार की गई है, जिससे उन्हें TU Leobe»»f, TU Wie»»f और TU GrÔz में उच्च गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इस समझौते के अंतर्गत एएनएबिन सूची (ANABIN list) में शामिल मान्यता प्राप्त कॉलेजों से स्नातक भारतीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विद्यार्थी इन संस्थानों में उच्च शिक्षा हासिल कर सकेंगे।

भारत में ऑस्ट्रिया की राजदूत

मान. कैथरीना वीजर ने कहाः "ऑस्ट्रिया, ऑस्ट्रिया-भारत सहयोग को और सशक्त करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए उत्सुक है। हम शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करते हुए, नए अवसर पैदा करते हुए प्रतिभाशाली भारतीय छात्रों का हमारे विश्वस्तरीय सार्वजनिक तकनीकी विश्वविद्यालयों में हार्दिक स्वागत करते हैं। यह साझेदारी भारत की उज्ज्वल एसटीईएम प्रतिभा और ऑस्ट्रिया के विश्व-मान्य शोध, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता केंद्रों के बीच एक पुल का काम करती है। ऑस्ट्रिया की उच्च शिक्षा क्षमता को VFS EducÔtio»»f Services की अत्याधुनिक एडटेक समाधानों के साथ मिलाकर हम एक पारदर्शी और सशक्त ढाँचा स्थापित कर रहे हैं, जो संस्थागत विश्वास को मजबूत करता है, छात्रों को सशक्त बनाता है और सांस्कृतिक व शैक्षणिक आदान-प्रदान को गहराता है। भारतीय छात्र हमारे कैंपसों में अपार सृजनात्मकता, ज्ञान और विविधता लेकर आते हैं, और हम उनके साझा वैश्विक भविष्य को आकार देने की यात्रा का समर्थन करने पर गर्व महसूस करते हैं।"

प्रो. पीटर मोसर, (Prof. Peter Moser), रेक्टर, TU Leobe»»f, ने कहाः "हम भारत और ऑस्ट्रिया की सरकारों के समर्थन और नेतृत्व की दिल से सराहना करते हैं, जिन्होंने पात्र भारतीय इंजीनियरिंग छात्रों को ऑस्ट्रिया में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का यह अवसर उपलब्ध कराया। हमें श्त्रड EducÔtio»»f Services को अपने साझेदार के रूप में पाकर भी प्रसन्नता है, जो हमें प्रतिभाशाली और योग्य इंजीनियरिंग छात्रों की पहचान करने और उनसे जुड़ने में मदद कर रहे हैं। इन उज्ज्वल मस्तिष्कों का स्वागत करना, उनकी क्षमता को संवारना और उन्हें एक आशाजनक भविष्य की ओर मार्गदर्शन करना हमारे लिए सम्मान और ज़िम्मेदारी दोनों है-एक ऐसा भविष्य जिसमें वे ऑस्ट्रिया की कार्यशक्ति और समाज में सार्थक योगदान दे सकें।"

श्री बर्नार्ड मार्टिरिस (Mr. Ber»»fÔrd MÔrtyris), चीफ कल्चर ऑफिसर और एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सदस्य, VFS GlobÔl, ने कहाः

"VFS EducÔtio»»f Services में हमें गर्व है कि हम योग्य भारतीय इंजीनियरिंग छात्रों को ऑस्ट्रिया के विश्वस्तरीय तकनीकी विश्वविद्यालयों से जोड़ने वाला पुल हैं। हमारा मिशन केवल प्रवेश प्रक्रिया को सुगम बनाना नहीं है-बल्कि भविष्य गढ़ना, नवाचार को प्रोत्साहित करना और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना भी है। पूरे भारत के छात्रों और संस्थानों से मिला उत्साही प्रतिसाद इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता और संभावनाओं का प्रमाण है। हमारा विश्वास है कि विशेषीकृत कार्यक्रमों के माध्यम से ऑस्ट्रिया भारतीय इंजीनियरिंग प्रतिभा के लिए शीर्ष गंतव्यों में से एक बनने जा रहा है। यह साझेदारी न केवल छात्रों को सशक्त बनाती है, बल्कि एक कुशल, भविष्य-तैयार कार्यबल के निर्माण में भी योगदान करती है, जो सतत विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाएगा। इस दृष्टि का समर्थन करना हमारे लिए सम्मान की बात है और हम ऑस्ट्रिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग को और बेहतर करने की उम्मीद रखते हैं।"

कार्यक्रम के अंतर्गत दो वर्षीय मास्टर डिग्री शामिल है, जिसमें सैद्धांतिक अध्ययन के साथ-साथ उद्योग में कायार्नुभव भी पाठ्यक्रम का हिस्सा होगा। विश्वविद्यालय परिसर में प्लेसमेंट और उद्योग विशेषज्ञों के साथ करियर ओपन-डे कार्यक्रमों में भी सहायता करेंगे। शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत, स्नातक होने पर छात्रों को एक वर्ष का पोस्ट-स्टडी वीजा एक्सटेंशन भी मिलेगा, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय कार्यबल में स्थानांतरित होने में सहायता होगी।

ऑस्ट्रिया के तकनीकी विश्वविद्यालय में मास्टर डिग्री करना छात्रों के लिए एक समृद्ध शैक्षणिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है। कला, संगीत, विज्ञान और इंजीनियरिंग में अपने ऐतिहासिक योगदान के लिए प्रसिद्ध ऑस्ट्रिया परंपरा और नवाचार का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। विएना (Vie»»f»»fÔ), ग्राज (GrÔz) और लियोबेन (Leobe»»f) जैसे शहर न केवल ळव ह्वील्ल), TU GrÔz और TU Leobe»»f जैसे वैश्विक स्तर पर सम्मानित तकनीकी संस्थानों का घर हैं, बल्कि जीवंत सांस्कृतिक केंद्र भी हैं।

योग्य छात्र, जो ऑस्ट्रिया के प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री करना चाहते हैं, वे अपने बी-टेक डिग्री प्रमाणपत्र और शैक्षणिक अंकपत्र ईमेल द्वारा भेज सकते हैं: ustriÔ@vfsedu.com. चयन प्रक्रिया व्यापक है, जिसमें शैक्षणिक प्रदर्शन, अंग्रेजी भाषा दक्षता, व्यक्तिगत साक्षात्कार और दस्तावेज सत्यापन के आधार पर उम्मीदवारों का मूल्यांकन किया जाता है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नया 'माय होंडा-इंडिया' मोबाइल ऐप लॉन्च किया

ग्राहक जुड़ाव को नए अंदाज में परिभाषित करने वाला वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म

22 सितम्बर 2025: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (ल्टरक), जो भारत के सबसे पसंदीदा टू-व्हीलर ब्रांड्स में से एक है, ने अपने नए कस्टमर कनेक्ट प्लेटफॉर्म ह्लमाय होंडा-इंडियाह्व मोबाइल ऐप के लॉन्च की घोषणा की। एक ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया यह इनोवेटिव ऐप एचएमएसआई के मौजूदा और नए ग्राहकों के जुड़ने के तरीके को बिल्कुल नया रूप देता है। यह ऐप पूरे ओनरशिप जर्नी के दौरान ग्राहकों को स्मूद, ट्रांसपेरेंट और एंगेजिंग डिजिटल एक्सपीरियंस प्रदान करता है।

माय होंडा-इंडियाह्व ऐप का लॉन्च एचएमएसआई की ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता और हर चरण में सुविधा व इनोवेशन लाने के विजन को दशार्ता है। यह ऐप होंडा वन आईडी से इंटीग्रेटेड है एक यूनिफाइड डिजिटल आइडेंटिटी सिस्टम, जो ग्राहकों को सेल्स, सर्विस और ओनरशिप से जुड़ी सभी जरूरतों के लिए एक ही प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है। अब माय होंडा-इंडिया के जरिए ग्राहक होंडा के पूरे टू-व्हीलर पोर्टफोलियो को एक्सप्लोर कर सकते हैं, प्रोडक्ट से जुड़ी पूछताछ कर सकते हैं, मॉडल्स की तुलना कर सकते हैं, टेस्ट राइड बुक कर सकते हैं, फाइनेंस ऑप्शंस देख सकते हैं और लेटेस्ट अपडेट्स व नोटिफि केशन्स पा सकते हैं।

खरीदारी के चरण से आगे बढ़ते हुए, यह ऐप ग्राहकों को उनकी ओनरशिप जर्नी मैनेज करने की सुविधा भी देता है। इसमें डिजिटल ओनर मैनुअल, डॉक्यूमेंट स्टोरेज, सर्विस अपॉइंटमेंट बुकिंग, रियल टाइम सर्विस ट्रैकिंग और सर्विस हिस्ट्री एक्सेस जैसे फीचर्स शामिल हैं। इसके अलावा ग्राहक पार्ट्स और एक्सेसरीज इंक्वायरी, स्मार्ट वर्कशॉप सपोर्ट और सेल्स व सर्विस जरूरतों के लिए इंस्टैंट रिमाइंडर्स का लाभ भी उठा सकते हैं।

अपनी बहुमुखी सुविधाओं को और आगे बढ़ाते हुए, माय होंडा-इंडिया ऐप लोकेशन-आधारित सर्विसेज भी प्रदान करता है, जैसे नजदीकी होंडा ऑथराइज्ड डीलरशिप्स और पेट्रोल पंप खोजने की सुविधा। साथ ही यह ग्राहकों को एचएमएसआई की सेफ़्टी, हेल्थ और एन्वायरनमेंट पहल, फेस्टिव ग्रीटिंग्स, ऑफर्स और रोचक अपडेट्स से भी जोड़ता है। यह ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म न केवल ग्राहकों की सुविधा बढ़ाता है, बल्कि पर्सनलाइज्ड कम्युनिकेशन, तेज रिस्पॉन्स टाइम और एक समान ब्रांड अनुभव देकर कस्टमर रिलेशनशिप को भी मजबूत करता है

घोषणा पर बोलते हुए, श्री योगेश माथुर, डायरेक्टर, सेल्स और मार्केटिंग, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहाः ह्लहम नए माय होंडा-इंडिया मोबाइल ऐप को लॉन्च करके बेहद उत्साहित हैं। ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता ने हमें इस रिवॉल्यूशनरी ऐप को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। यह न केवल पूरी तरह ट्रांसपेरेंट होगा बल्कि ग्राहकों को एक आसान और सुविधाजनक अनुभव भी देगा।

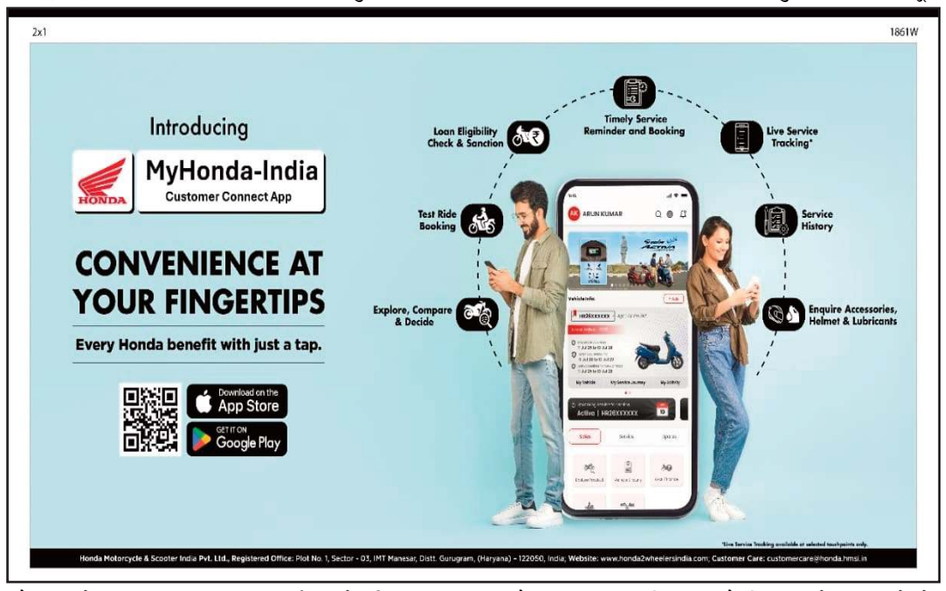

अपने अनेक फीचर्स के साथ, माय होंडा-इंडिया ऐप ग्राहकों को सही निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा, ब्रांड से जुड़े रहने में मदद करेगा और हर चरण पर पर्सनलाइज्ड एंगेजमेंट का अनुभव देगा। हमें पूरा विश्वास है कि यह ऐप ग्राहकों के लिए डिजिटल सुविधा को नए मायनों में परिभाषित करेगा और ब्रांड पर उनके भरोसे को और मजबूत करेगा। आज के दौर में जहां डिजिटल टचप्वॉइंट्स ग्राहक अनुभव को आकार दे रहे हैं, यह पहल हमें अपने ग्राहकों की और बेहतर व नजदीकी सेवा करने में मदद करेगी।

माय होंडा-इंडिया मोबाइल ऐप अब एंड्रॉयड डिवाइसेज के लिए गूगल प्ले स्टोर और॒डर प्लेटफॉर्म्स के लिए एप्पल ऐप स्टोर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।